भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी

प्रेस वक्तव्य

दिनांक–01 जनवरी, 2019

प्रतिक्रांतिकारी दमन योजना 'समाधान' के खिलाफ 25 से 31 जनवरी, 2019 तक प्रचार अभियान एवं 31 जनवरी को भारत बंद सफल बनाने का आह्वान!

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी(माओवादी) की केंद्रीय कमेटी के आह्वान के मुताबिक आगामी 25 से 31 जनवरी, 2019 तक प्रतिक्रांतिकारी रणनीतिक दमन योजना 'समाधान'(2017–22) के खिलाफ देश भर में प्रचार अभियान चलाने एवं 31 जनवरी, 2019 को प्रस्तावित भारत बंद को सफल बनाने दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी क्रांतिकारी जनता, जनवादी प्रगतिशील व देशभक्त सामाजिक कार्यकर्ताओं, जनपक्षधर आदिवासी, गैर–आदिवासी सामाजिक संगठनों के नेताओं व कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों, पत्रकारों, अधिवक्ताओं, कलाकारों, साहित्यकारों व इतिहासकारों, छात्रों एवं पार्टी, पीएलजीए, क्रांतिकारी जन संगठनों व क्रांतिकारी जन कमेटियों/जनताना सरकारों की सभी कतारों से अपील करती है.

प्रचार सप्ताह के दौरान 'समाधान' दमन के विरोध में सभा, सम्मेलनों, रैलियों, संगोष्ठियों, आमसभाओं का आयोजन करें. गीत, नृत्य, नुक्कड़ आदि के जरिए सांस्कृतिक संगठन इस संबंध में जनता के बीच व्यापक प्रचार करें. देश के प्रगतिशील–जनवादी–देशभक्त सामाजिक कार्यकर्ताओं, बद्धिजीवियों, लेखकों, पत्रकारों, कलाकारों, मानवाधिकार संगठनों व कार्यकर्ताओं, जनपक्षधर आदिवासी, गैर–आदिवासी सामाजिक संगठनों के नेताओं व कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारियों, उन पर हमलों व उनकी हत्याओं के खिलाफ बड़े पैमाने पर सड़क पर उतरकर जुझारु आंदोलन करें. दंडकारण्य के संघर्ष इलाकों में जारी मुठभेड़ों, झूठी मुठभेड़ों व नरसंहारों (पूजारी कांकेर, आइपेटा, तिम्मेम, कसनूर–तुमिरगुंडा, नुल्कातोंग, गुमियाबेडा, साकिलेर आदि), जनता की बेदम पिटाई, महिलाओं पर अनगिनत अत्याचारों व हत्याओं, अवैध गिरफ्तारियों, कड़ी सजाओं के खिलाफ आवाज बुलंद करें.

क्रांतिकारी आंदोलन का सफाया करने में अगस्त 2009 से प्रारंभ ऑपरेशन ग्रीनहंट के नाकाम होने के मद्देनजर मई, 2017 से शुरु किए गए 'समाधान'(2017–22) हमले का उद्देश्य है, देश में नवजनवादी राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व्यवस्था के निर्माण के लिए जारी जनयुद्ध, उसे संचालित करने वाली हमारी पार्टी – भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी), उसकी जन मुक्ति छापामार सेना, उसके नेतृत्व में स्थापित व विकसित हो रही क्रांतिकारी जन कमेटियों – जनताना सरकारों को खत्म करना. साथ ही देश के तमाम जनवादी, प्रगतिशील, देशभक्त व मानवाधिकार एवं विस्थापन विरोधी जन संगठनों व उनके नेतृत्व में जारी आंदोलनों का सफाया करके देश की प्राकृतिक संपदाओं, जल–जंगल–जमीन व संसाधनों को कौड़ियों के भाव देशी, विदेशी कॉरपोरेट घरानों के हवाले करना और देश को उनकी बेरोकटोक लूट की चारागाह बनाना.

ब्राह्मणीय हिंदुत्व फासीवादी 'संघ'(आरएसएस) परिवार की मोदी नीत भाजपा सरकार फासीवादी 'समाधान' दमन योजना के जरिए उत्पीड़ित जातियों को दबाते हुए उच्च जातियों का प्रभुत्व कायम करके; कश्मीर, असोम, नागा सहित तमाम राष्ट्रीयताओं की आजादी के आंदोलनों को दबाकर; हिंदू धर्मोन्माद व धर्मांधता के जरिए धार्मिक अल्पसंख्यकों को दबाकर हिंदू राष्ट्र का निर्माण करके; आगामी 2022 तक इस तरह 'नया भारत' के नाम पर ब्राह्मणीय हिंदुत्व फासीवादी भारत का निर्माण करना चाहती है. इसके लिए देश भर के जनविरोध को, विरोध के हर स्वर को कुचल देना चाहती है. इसीलिए यह आज के वक्त की मांग है कि मोदी द्वारा आए दिन जोर–शोर से प्रवचित व प्रचारित जनविरोधी ब्राह्मणीय हिंदुत्व फासीवादी 'नया भारत' के सपने को ध्वस्त करने देश के तमाम क्रांतिकारी, जनवादी, प्रगतिशील, धर्मनिरपेक्ष व देशभक्त ताकतें एकजुट हो जाएं.

हमारी पार्टी आह्वान करती है कि 'समाधान' विरोधी प्रचार सप्ताह के दौरान क्रांतिकारी आंदोलन के खात्मे के लिए बैठाए जा रहे कॉरपेट सेक्युरिटी कैंपों व अतिरिक्त बलों को हटाने, एसटीएफ, डीआरजी, ब्लैक पैंथर्स जैसे हत्यारे कमांडो बलों को रद्द करने एवं शोषक सरकारों द्वारा अपनायी गयी 'अपनी ही उंगलियों से अपनी आंखें फोड़वाने' की नीति के तहत जारी 'बस्तरिया बटालियन', 'आदिवासी बटालियन', को रद्द करने की जोर–शोर से मांग करें. धोखेबाजीपूर्ण आत्मसमर्पण नीति को बंद करने की आवाज उठाएं.

दंडकारण्य में लुटेरे शोषक–शासक वर्गों की राज्यसत्ता को उखाड़ फेंकते हुए असली आजादी, असली विकास व स्वशासन की दिशा में कदम बढ़ाती जनता की जनवादी राज्यसत्ता के संगठन क्रांतिकारी जन कमेटियों/क्रांतिकारी जनताना सरकारों को बचाने, मजबूत करने एवं उनका विस्तार करने की दिशा में कदम बढ़ावें, बड़े पैमाने पर संगठित होवें एवं यथासंभव उनकी मदद करें.

(विकल्प)
प्रवक्ता
दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी
भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)